17 मई 2016

सीरिया में रूस का रणनीतिक हित

*डॉ. इंद्राणी तालुकदार**

14 मार्च को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की सीरिया से रूस की वापसी की घोषणा की। इसने अधिकांश नीति निर्माताओं को अचरज में डाल दिया। हालांकि, यह आंशिक वापसी थी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यह स्पष्ट कर दिया कि उनका हस्तक्षेप नियोजित नहीं था।[1]
वापसी से पहले, पुतिन ने सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल- असद के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। अपनी बातचीत के दौरान, पुतिन ने कहा कि "रूस संघर्ष विराम अनुपालन की निगरानी करने के लिए सीरिया में विमानन सहायता केंद्र बनाए रखेगा।"[2]

पश्चिम एशिया में रूस की रूचि साम्राज्यकाल के समय से रही है। सोवियत संघ युग के दौरान, जब दुनिया साम्यवाद और पूंजीवाद की दो विचारधाराओं के बीच विभाजित थी , सीरिया के साथ मास्को का संबंध काफी अच्छा रहा था। असद के पिता हाफिज अल-असद के समय से ही सीरिया के साथ रूस का घनिष्ठ संबंध रहा था । उन्होंने 1970 में हुए तख्तापलट से सत्ता हथियाई थी। रूस इस शासन का प्रमुख अस्त्र-शस्त्री प्रदाता रहा था और उसने पूर्व सोवियत संघ से बाहर अपना एकमात्र सैन्य अड्डा सीरिया के टार्टस के भूमध्यसागरीय पत्त् न पर बनाए रखा था।[3]

यद्यपि बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के विकास के कारण विचारधारा आधारित विभाजन अब अस्तित्व में नहीं है, लेकिन यह दर्शाता है कि गुट प्रणाली कहीं न कहीं अभी भी विद्यमान है। दोनों देशों की महत्वाकांक्षाओं और राष्ट्रीय हितों और शीत युद्ध काल की दो पूर्व महाशक्तियों, तत्कालीन सोवियत संघ (रूस) और संयुक्तराज्यहअमेरिका के साथ उनके समीकरणों के चलते गुट प्रणाली अभी

भी विद्यमान है। वैश्वीकरण और बहुपक्षी यता को जन्म देने वाली 21वीं सदी में भी रूस और अमेरिका के बीच प्रतिद्वंद्विता बनी हुई है।

सोवियत संघ के उत्तराधिकारी, रूस और अमेरिका के बीच प्रतिद्वंद्विता अभी भी जारी है और यूक्रेनी और सीरियाई संकट जैसी घटित घटनाओं से यह स्पष्ट है। 2004 में यूक्रेन में नारंगी क्रांति और 2008 में जॉर्जिया युद्ध में सैन्य हस्तक्षेप ने यूरोप में शीत युद्धकालीन दरारों को उभाड़ दिया। इस बीच, अरब विद्रोह ने पश्चिम एशिया क्षेत्र में दोनों महाशक्तियों के बीच युद्ध का मैदान तैयार कर दिया, जो 2011 के सीरियाई संकट के बाद से स्पष्ट हो गया है। पश्चिम एशिया के अन्य देशों के साथ सीरिया को अपने लपेटे में ले लेने वाले 2010 के अरब विद्रोह ने फिर से उभरते रूस और अमेरिका का विरोधी खेमों में हस्तक्षेप देखा, जो शीत युद्ध प्रकार की व्यवस्था है। नई विश्व व्यवस्था में अपनी स्वीयं की महत्वाकांक्षाएँ हैं और इसमें राष्ट्रीय हित रखने वाले इस क्षेत्र के देशों ने भी यह स्थिति बनाए रखने में सहायता की है। उदाहरण के लिए , नाटो का सदस्य तुर्की, जो सोवियत संघ के विपरीत धड़े में रहा था, रूस के साथ रचनात्मक संबंध साझा कर रहा है। सौजन्यता की सीमा ऐसी है कि अंकारा शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) में शामिल होने में अधिक रुचि रखता है और यूरोपीय संघ (ईयू) का सदस्य बनने का अपना ख्वाब छोड़ रहा है। लेकिन सैन्यि सहायता सहित सीरिया में रूस के हस्तेक्षेप और असद शासन के पक्ष में खड़े होने से , जिसके चलते तुर्की ने रूस का एसयू-24 जेट मार गिराया था, दोनों देशों के बीच संबंध अवरूद्ध हो गया।

इस नव- गुट प्रणाली की व्य वस्था (विचारधाराओं नहीं , बल्कि प्रमुखता प्राप्तसकर ने की महत्वाकांक्षाओं पर आधारित) के चलते रूस को इस क्षेत्र में अपनी पकड़ बनाए रखना पड़ा है। सीरिया के साथ रूस के संबंधों और क्षेत्र में सीरिया की भूस्थैतिक स्थिति, जो मास्को के लिए महत्वपूर्ण है , को देखते हुए सीरिया के आंतरिक मामलों में क्रेमलिन का हस्तैक्षेप समझा जा सकता है।

रूस के लिए, सीरिया की रक्षा करने का मतलब अपनी परिसंपत्तियों और इस क्षेत्र और आगे तक पहुँच की रक्षा करना है। मास्को का टार्टस में एक सैन्य (नौसैनिक) अड्डा था, लेकिन सितंबर 2015 से इसके सैन्य हस्तक्षेप ने खमीमिम, लातकिया में एक और अड्डे की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त(किया, जिसका वे विमानन उद्देश्य के लिए उपयोग कर रहे हैं। रणनीतिक लिहाज के अलावा, सीरिया के साथ रूस का संबंध उसकी आर्थिक भागीदारी के कारण भी महत्वपूर्ण है और इसलिए भी क्योंकि असद शासन इस्लामिक कट्टरपंथ के विरूद्ध प्राचीर के रूप में काम कर रहा है। यह वह खतरा है जो 1990 के दशक से मास्को पर व्यापक पैमाने पर मंडरा रहा है। उत्तरी काकेशस तक आईएस के पहुँच जाने और चेचेन्या के साथ-साथ इस क्षेत्र के विद्रोही समूहों द्वारा इस आतंकवादी समूह का

समर्थन करने और उस के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त् करने से, रूस देश और अपने पड़ोसी देशों के सामने आने वाले खतरे को लेकर आशंकित है।

आर्थिक रूप से , रूस ने ऊर्जा , इस्पात और विमानन के क्षेत्रों में निवेश किया है। उसकी सीरियाई अवसंरचना, ऊर्जा और पर्यटन उद्योग में पर्याप्त उपस्थिति है। [4] रूस ने गैस प्रसंस्करण संयंत्रों, सिंचाई सुविधाओं और विद्युत घरों के निर्माण के लिए कई अनुबंधों पर हस्ताक्षर कि या है।[5] साथ ही सीरिया में रूसी हथियारों का मजबूत बाजार भी है। एसआईपीआरआई ईयरबुक 2013 के अनुसार, 2006-2010 के बीच रूस ने सीरिया को 48 प्रतिशत हथियारों का निर्यात किया।6 2010 से 2014 तक रूस का विश्व2के कुल हथियार निर्यात में योगदान 27 प्रतिशत रहा था।

रूस का हित

सीरिया में रूस की रुचि टार्टस में और खमीमिम एयरबेस में अपनी उपस्थिति के माध्यम से पश्चिम एशिया में अपनी पैठ ब नाए रखने की रही है। [8] उसकी सैन्य पहुँच का विस्तार करने वाले सैन्य ठिकाने पश्चिम एशिया में टिके रहने के लिए आवश्यक अवसंरचना प्रदान करते हैं। [9] रूस के पास अपने हथियारों के निर्यात लिए मजबूत बाजार है। 29 मार्च को रूसी संघ और विदेशी राज्यों के सैन्य-तकनीकी सहयोग आयोग के साथ एक बैठक में पुतिन ने कहा कि 2015 में हथियारों का निर्यात $14.5 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया। 2006-10 और 2011-15 के बीच प्रमुख हथियारों का रूसी निर्यात 28 प्रतिशत तक बढ़ा।[10] रूस का ऊर्जा हित भी है। साथ ही, रूस चाहता है कि उसके साथ अंतरराष्ट्रीय समुदाय में अमेरिका सहित पश्चिमी देशों द्वारा समान भागीदार के रूप में व्यवहार किया जाए।

रूस वैश्विक शक्ति और अपनी चुनौतियों का समाधान करने में महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में अपनी क्षमता प्रदर्शित करना चाहता है, जैसे कि अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद जो इस क्षेत्र और दुनिया को प्रभावित कर रहा है। रूस के हस्तक्षेप ने पश्चिमी देशों को उसके साथ बातचीत करने और साथ ही सीरिया के लिए शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में सहयोग करने के लिए बाध्यट किया। सीरिया में मॉस्को का हस्तक्षेप "दमिश्क को आईएस के हाथों में जाने देने से रोकने" के लिए भी था।"[11]

पिछले दशक के दौरान, रूस को लीबिया और इराक में अपनी पूर्ववर्ती पैठ खोनी पड़ी थी, होस्नी मुबारक के पतन के बाद सहयोगी के रूप में मिस्र को फिर से हासिल करने के अपने प्रयास में वह विफल रहा और सीरिया में इसकी स्थिति वर्तमान हालात के चलते नाजुक है।[12] रूस को डर है कि असद शासन का संभावित पतन काकेशस और मध्य एशिया में शासन परिवर्तन और लोकतंत्र के

लिए विद्रोह के लिए एक स्प्रिंगबोर्ड के रूप में काम कर सकता है।[13] असद शासन उखाड़ फेंके जाने और इस्लामी शासन द्वारा इसके प्रतिस्थापन से रूस के लिए एक और समस्या चेचन्या, उत्तरी काकेशस में और देश के भीतर भी आतंक और कट्टरता का निर्यात है।[14] जॉर्डन, सऊदी अरब, तुर्की और कतर जैसे अन्य पश्चिम एशियाई देशों के साथ रूस के संबंध मास्को द्वारा असद शासन के समर्थन के कारण फिलहाल अनुकूल नहीं हैं। हालांकि, इन सभी देशों की सहायता से सफल होने वाली संघर्ष विराम पर शांति वार्ता की व्यवस्था जैसे कूटनीतिक प्रयास किए गए , जिन्होंने उनके साथ संवाद के चैनलों को खुला रखा है।

वाणिज्यिक पक्ष पर , रूसी कंपनियों ने लगभग $20 डॉलर बिलियन का निवेश किया है। जुलाई 2015 में, रूस ने घोषणा की कि वह अनुबंध के माध्यम से ऊर्जा क्षेत्र में कम से कम $ 1.6 बिलियन डॉलर का निवेश करना चाहता है। 2013 में, सीरिया ने सीरिया के तट से परे टार्टस से लेकर बनियास शहर तक फैले 2,190 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में तेल और गैस ड्रिलिंग और अन्वेषण के लिए रूसी कंपनी सोयूज़नेफटेगाज़ के साथ पच्चीस वर्ष के अनुबंध (2013-2038) पर हस्ताक्षर किया। 15 यह क्षेत्र भूमध्य सागर में लगभग 45 मील तक फैला हुआ है। 2010 की रिपोर्ट में, अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने पूर्वी भूमध्यसागर के किनारे तथाकथित लेवेंत बेसिन में अभी तक अज्ञात 1.7 बिलियन बैरल तेल और 122 टन घनफीट प्राकृतिक गैस होने का अनुमान लगाया।

इस बीच, असद शासन वर्तमान में, क्रमशः विद्रोहियों और इस्लामिक स्टेट समूह द्वारा नियंत्रित क्षेत्रों में तेल क्षेत्रों और बिजली संयंत्रों का पुनर्वास और संचालन करने की माँग कर रहा है - जो ऐसे क्षेत्र हैं जिन्हें रूसी हवाई हमले से समर्थित असद शासन के बलो ने उत्तरी और पश्चिमी सीरिया में फिर से कब्जा ना शुरू कर दिया है।[18] नवंबर 2015 में सीरियाई विदेश मंत्री , वालिदमुअल्लेम और रूसी उप प्रधान मंत्री , दिमित्री रोगोज़िन के बीच एक बैठक के दौरान श्री मुअल्लेम ने कहा कि "हमारे पास आंकड़े हैं कि सीरिया के तट से परे शेल्फ पर तेल और गैस निक्षेपो की अथाह संभावनाएं हैं। और हम सीरिया में न केवल रूसी युद्धपोत, बल्कि साथ ही तेल निष्कर्षण प्लेटफ़ॉर्म भी देखना चाहते हैं।" उन्होंने कहा कि सीरियाई अधिकारियों को उम्मीद है कि रूसी कंपनियाँ देश के अपतटीय तेल निक्षेपों का विकास करेंगी। उन्होंने बैठक के दौरान कहा कि रूसी फर्म ने पहले ही अनुबंध पर हस्ताक्षर कर दिए हैं और दमिश्क इस व्यवहार का अनुसरण करने के लिए अन्य कंपनियों की प्रतीक्षा कर रहा है। सीरिया रूसी कंपनियों को "हर संभव प्रोत्साहन" प्रदान करने के लिए तैयार है।[19] दुनिया में महत्वपूर्ण खिलाड़ी बने रहने की रूस की महत्वाकांक्षा को देखते हुए रूस के लिए पेशकश किए गए लाभप्रद अवसरों का लोभ संवरण करना मुश्किल होगा।

लीबिया में, लीबिया के नेता, मुअम्मर गद्दाफी को उखाड़ फेंकने और मार देने के बाद, संयुक्त राष्ट्र के हथियार लदान प्रतिषेध के परिणामस्वरूप रूस को लीबिया के साथ हथियार अनुबंध के नुकसान के कारण $4 बिलियन डॉलर की हानि उठानी पड़ी।[20] रक्षा व्यापार में नुकसान उठाने के अलावा, रूस को रेलवे और ऊर्जा क्षेत्र में भी हानि उठानी पड़ी। 2008 में, रूसी कंपनी आरजेडएचडी ने सिर्ते से लेकर बेन्गाजी तक भूमध्यसागर के किनारे रेल लाइन बिछाने के लिए गद्दाफी शासन के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किया था। इस अनुबंध में 30 रेल फ्लाईओवरों, 23 पुलों, चार बड़े रेलवे स्टेशनों और 24 छोटे स्टेशनों के निर्माण और €2.2 बिलियन पाउंड मूल्यका अनुमान लगाया गया था। लीबिया में अशांति के कारण इस परियोजना को रोकना पड़ा। इन परियोजनाओं के रुकने से आरजेडएचडी को € 104 मिलियन पाउंड का नुकसान उठाना पड़ा। इसी तरह, ऊर्जा क्षेत्र में, गजप्रोम और टाटनेफ्ट लीबिया में सक्रिय रहे थे। हालांकि, 2011 की अशांति के बाद , यदि नई सरकारें अनुबंधों का सम्मान नहीं करती तो ऊर्जा कंपनियों को €240 मिलियन पाउंड का नुकसान उठाना पड़ सकता था।[21] रूस लीबिया में बहुत अधिक निवेश खो चुका है और सीरिया में भी इसका दोहराव नहीं देखना चाहता है।

ऊर्जा क्षेत्र भी एक और क्षेत्र है जहाँ रूस सीरिया में नुकसान नहीं उठाना चाहता है। रूस यूरोप और साथ ही तुर्की तक तेल और गैस पाइपलाइन के नेटवर्क के लिए संभावित स्थल के रूप में सीरिया की अवस्थिति समझता है। यह यूरोपीय महाद्वीप में गैस निर्यात पर रूस के अपने आधिपत्य के लिए खतरा है (कुल यूरोपीय गैस आयात में रूस की हिस्सेदारी 64% से अधिक है)। रूस सीरिया के ऊर्जा क्षेत्र में निवेश करने की दिशा में उतावला प्रतीत हो रहा है, क्योंकि इससे सीरीया से प्रतिस्पर्धा करने के बजाय रूस की उसके ऊर्जा विकास में हिस्सेदारी होगी।

पल्मायरा से आईएस को उखाड़ फेंकने में रूस की सहायता का सीरिया की भौगोलिक स्थिति के साथ बहुत कुछ लेनादेना है। पल्मायरा सबसे बड़े प्राकृतिक गैस क्षेत्र, जबलशैर के पास स्थित है। मई 2015 में पल्मायैरा पर आईएस के कब्जे और आसपास के गैस क्षेत्रों की जब्ती ने असद शासन को उसके 45 प्रतिशत गैस और बिजली संसाधनों से वंचित कर दिया था। पल्मायरा में कई गैस क्षेत्र भी हैं, जैसे कि अरक, दुबायत, हेल, हयान, जिहार, अल-मर, नजीब, सुखनेह, और अबिरबाह, जो उद्योग के एक पूर्व अंदरूनी सूत्र के अनुसार, सामूहिक रूप से सीरिया के आधे प्राकृतिक कच्चे तेल और तरल पेट्रोलियम गैस का उत्पादन कर रहे थे। पल्मायरा क्रमश: उत्तर-पूर्वी और पूर्वी सीरिया में हसाकाह और डेरएज़ोर प्रांतों में महत्वपूर्ण क्षेत्रों से गैस ले जाने वाली पाइपलाइनों का पारगमन बिंदु भी है। पल्मायरा सीरिया के लगभग सभी गैस उत्पादन के नि ष्कर्षण या हस्तांतरण और प्रसंस्करण और बिजली संयंत्रों के बीच केंद्र है। यह शहर टार्टस पत्ते न और इराक़ से भी जुड़ा है

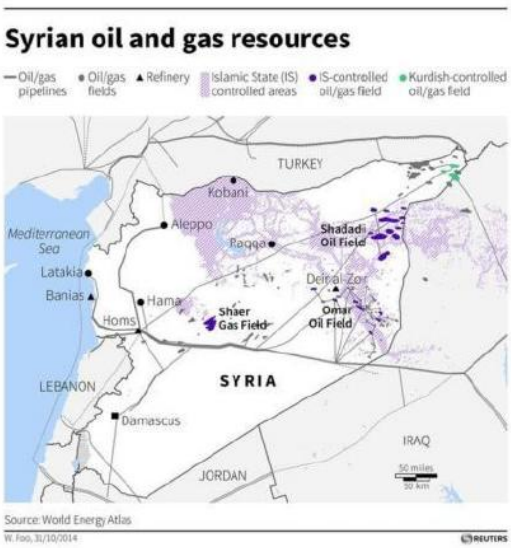

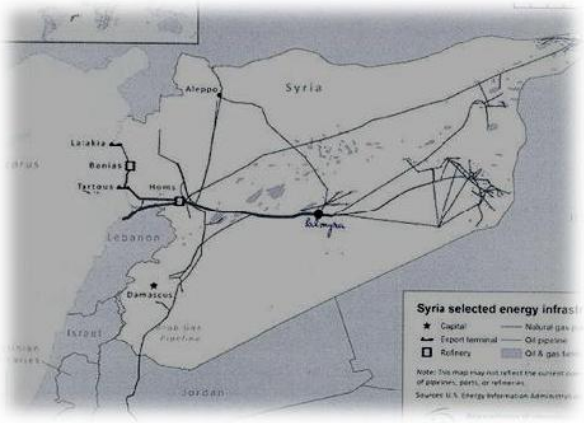

स्रोत: मानचित्र 1 के लिए: रायटर[24] और मानचित्र 2 के लिए: एनर्जी फ्यूज[25]

रूस दो प्रस्तावित पाइपलाइनों के चलते दबाव महसूस कर रहा है, जिनका कतर ने प्रस्ताव और अमेरिका और ईरान ने समर्थन किया है। कतर और ईरान ने 1989 में दक्षिण पर्स/उत्तर डोम प्राकृतिक गैस क्षेत्र विकसित करना शुरू किया। 2009 में कतर ने सऊदी अरब, जॉर्डन और सीरिया से होते हुए तुर्की तक उत्तर-पश्चिम की ओर अपनी गैस भेजने के लिए एक पाइपलाइन बिछाने का प्रस्ताव रखा था, जिसे दमिश्क ने अस्वीकार कर दिया था।

रूस ने असद शासन पर दबाव डाला क्योंकि मॉस्को ऊर्जा बाजार पर अपने एकाधिकार में कोई प्रतिस्पर्धा नहीं चाहता था। इस बीच , ईरान के साथ अपने संबंध को देखते हुए, क्रेमलिन को एलपीजी की ईरान-इराक-सीरिया पाइपलाइन के एक अन्य प्रस्ताव से कोई दिक्कत नहीं है, जिसका तेहरान ने 2011 में असद सरकार से प्रस्ताव किया था।[26]

असद शासन की सत्ता में बने रहने में सहायता करके और सीरियाई ठिकानों पर स्थायी रूप से अपनी सेनाएं रखकर, हो सकता है कि रूस कतर गैस पाइपलाइन का विकास अवरुद्ध करने के लिए प्रयासरत है। मॉस्को इजरायल , साइप्रस और ग्रीस सहित पूर्वी भूमध्य सागर में अन्य नई अपतटीय गैस खोजों के संधि बिंदु के रूप में अपने आपको आसिन करने की कोशिश कर रहा है।[27] रूसी चैनल, स्पुतनिक, के साथ चर्चा के दौरान जूनियर अटार्नी और पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जेएफ कैनेडी के भतीजे रॉबर्ट एफ. कैनेडी ने कहा कि अमेरिका ने असद को सत्ता से हटाने का निर्णय इसलिए लिया क्योंकि उन्होंने कतर गैस पाइपलाइन वापस लेने से मना कर दिया था।[28] रूस और अमेरिका के बीच प्रतिद्वंद्विता को देखते हुए क्रेमलिन असद शासन और इस क्षेत्र में मॉस्को के राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने के लिए प्रयासरत रहेगी।

रूस का सैन्य हस्तक्षेप: युद्धक रूप

रूस सीरियाई शासन को सैन्य उपकरणों की आपूर्ति करके, रसद सहायता[29] प्रदान करके और प्रशिक्षण देकर भागीदार बना था, और सितंबर 2015 के मध्य में, उसने चरमपंथी समूहों को नियंत्रित करने के लिए इराक और ईरान के साथ आसूचना सहभाजन व्यवस्था[30] के लिए मेल-जोल किया। 30 सितंबर 2015 से, रूस ने अपने आपको सैन्य रूप से युद्धक रूप से शामिल कर लिया। रूसी सैन्य हस्तक्षेप की सीरिया की विपक्षी पार्टियों और मानवाधिकारों से ताल्लुक रखने वाले एनजीओ सहित पश्चिम ने आलोचना की है। लेकिन पुतिन ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनुसार सैन्य हस्तक्षेप का आधार है और असद की ओर से "आधिकारिक अनुरोध के अनुसार" संचालित किया गया है। 6 महीने के हस्तक्षेप के बाद, रूस ने संघर्ष-ग्रस्त इस देश से अपनी वापसी की घोषणा की।

रूस का हस्तक्षेप आईएस से लड़ने में असद की ''सहायता''[32] करने के लिए और दमिश्क में परस्पर संघर्षरत पक्षों के बीच शांति प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए था।"[33]

14 मार्च को विदेश मंत्री, सर्गेई लावरोव और रक्षा मंत्री, सर्गेई श्योग के साथ एक बैठक के दौरान, पुतिन ने सीरिया में रूस की सैन्य भूमिका का आं कलन किया। उन्होंने कहा कि रूस ने एक छोटे सैन्य समूह के साथ हस्तक्षेप किया था, लेकिन यह हस्त्क्षेप प्रभावी सिद्ध हुआ। सैन्य समूह में विभिन्न प्रकार के बल और विविधतापूर्ण क्षमताएँ - अंतरिक्ष टोह, ड्रोन, लड़ाकू विमान और हमलावर विमानों में युद्धक मिसाइल प्रहार प्रणालियाँ शामिल थीं। इस सैन्य समूह में सतहगत जहाजों और पनडुब्बियों से काम करते हुए दो समुद्रों - भूमध्य और कैस्पियन - से आधुनिक हथियारों का उपयोग करने वाला नौसैनिक बल भी शामिल था। उनके अनुसार, देश ने शक्तिशाली वायु रक्षा प्रणाली का निर्माण किया है।[34] रूस ने उन्नत संस्करणों और तकनीकों वाले लड़ाकू विमानों, जैसे कि एसयू-35, हेलीकॉप्टर, जैसे कि केए-52 या "होकुम-बी" एमआई-8P, एमआई -24, एमआई -35एम और एमआई -28एन,[35] और केए-52एस को तैनात किया है।[36]

खमीमिम अड्डा विमान-रोधी मिसाइल और तोप इकाइयों, जैसे कि कारापेस-सी1 के साथ-साथ वायु रक्षा प्रणालियों, जैसे कि बुक-एम और एस-400 ट्रायम्फ द्वारा सुरक्षित है। भूमि उपकरणों में, टी-90 टैंक और बख्तरबंद कार्मिक वाहन बीटीआर-82ए को तैनात किया गया है। प्रयुक्तवबमों में एफएबी-250 या ओएएफबी-500, केएबी-500S के साथ-साथ क्रूज मिसाइलें जैसे कि एक्स-101 और एक्सी555 शामिल थे। प्रयोग की गई कैलिबर-एनके मिसाइलों को भूमध्य सागर और कैस्पियन समुद्र में तैनात किया गया था।[37] रूस खोजकर्ता ड्रोन के रूप में ज्ञात इजरायली ड्रोन का भी उपयोग कर रहा है।[38] उच्च तकनीक से लैस ये निगरानी ड्रोन रूसी युद्धक विमानों की जमीन पर अपना लक्ष्य

पता लगाने और उन पर हमला कर ने में सहायता करते हैं। सीरिया में रूस के हितों की रक्षा करने और साथ ही असद शासन को भी सुरक्षा देने के लिए ये रक्षा सुविधाएं भलीभांति सुसज्जित हैं। मानव रहित वा युयानों का उपयोग हमले और खुफिया जानकारी एकत्र करने जैसे अन्य उद्देश्यों के लिए किया जाता है, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक खुफिया जानकारी और उपग्रह पुंज शामिल हैं।[39]

प्राप्त परिणाम

क्रेमलिन की नजर में, रूस द्वारा हस्तक्षे प ने सीरियाई संकट को समाधान की दिशा में बढ़ने में सहायता की। पुतिन और रक्षा मंत्री के साथ बैठक के दौरान लावरोव ने कहा कि रूस ने निरंतर 2012 में किए गए निर्णयों के अनुसार अंत :-सीरियाई वार्ता की बुनियाद डालने का समर्थन किया है।[40] उन्होंने कहा कि हालांकि, इस प्रक्रिया पर काम कर रहे सभी भागीदारों की ओर से इच्छाशक्ति की कमी के साथ क्रेमलिन के सुझावों को पूरा किया गया। लावरोव ने कहा कि हवाई हमलों के बाद से स्थिति बदल गई है।[41] क्योंकि शांति वार्ता फिर से शुरू हो गई है और रूस और अमेरिका के बीच समन्वय है।

यूरोपीय नेताओं (जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन और इटली) ने कहा कि सीरियाई युद्ध विराम और रूस द्वारा सीरिया का निरंतर समर्थन युद्धग्रस्त देश में शांति वार्ता के पीछे आवेग का निर्माण करने में सहायता करेगा। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री डेविड कैमरन के प्रवक्ता ने कहा कि 5 मार्च, 2016 को यूरोपीय नेताओं और पुतिन के बीच कांफ्रेस कॉल के दौरान, नेताओं ने युद्धविराम के प्रति पुतिन की प्रतिबद्धता का स्वागत किया। [42] सीरिया के लिए संयुक्त राष्ट्र के दूत ने रूस और अमेरिका से सीरियाई शांति वार्ता पुनर्जीवित करने में सहायता करने के लिए हस्त क्षेप करने की अपील की जो असद शासन और विद्रोहियों के बीच अप्रैल के महीने में लड़ाई के कारण गतिरूद्ध हो गई थी।[43]

इस बीच, अपने विदेश मंत्री की तरह पुतिन भी मानते हैं कि रूस द्वारा सैन्य हस्तक्षेप असद सरकार और विरोधी समूहों के बीच शांति वार्ता ओं के लिए अनुकू ल माहौल बनाने में स फल रहा है। वार्ताएं शामिल सभी पक्षों के लिए राष्ट्रव्यापी युद्धविराम को आवेग देने के लिए हैं। रूस ने कुर्द डेमोक्रेटिक यूनियन पार्टी (पीवायडी) को शामिल करने के लिए विपक्षी प्रतिनिधिमंडल का विस्तार करने की माँग की है।[44] नियमों का विरोधी पक्षों द्वारा उल्लंघन करने के कारण यह युद्धविराम सफल नहीं रहा था। रूस ने पल्मायरा और अलेप्पो में असद शासन की सैन्य रूप से सहायता की। आंशिक वापसी सहित रूस द्वारा किए गए निर्णय रूस के हितों को सामने रखते हुए सुविचारित रहे हैं। क्रेमलिन असद शासन को अपना समर्थन संतुलित करने और पश्चिम से देश का अलगाव तोड़ने की कोशिश कर रहा है।

पुतिन ने "भूमि, वायु और समुद्र "से रूस के ठिकानों को बचाने की कसम खाई। [45] उन्नत वायु-रक्षा प्रणाली अभी भी तैनात है[46] और टार्टस और खमीमिम में नौसैनिक अड्डे सहित रक्षा अवसंरचना अक्षुण्ण है, जो जरूरत पड़ने पर फिर से तैनाती का तैयार आधार देती है। साथ ही, रूस ने युद्ध विराम को कार्यान्वित होते हुए देखने के लिए अमेरिका के साथ सहयोग किया है। 4 मई को, रूस और अमेरिका से अह्वान के बाद संघर्षरत पक्षों के बीच 48 घंटे के युद्धविराम पर सहमति बनी।[47]

पुन: तैनाती की क्षमता

लावरोव और सोगू के साथ बैठक के दौरान , पुतिन ने स्पष्ट किया कि रूसी सैन्य अड्डे युद्धविराम की निगरानी करने और शांति प्रक्रिया हेतु स्थितियाँ बनाने के लिए कार्य करेंगे। यह शांति प्रक्रिया के लिए उपयुक्त स्थिति याँ बनाने के लिए अड्डों को बनाए रखने के लिए राष्ट्रपति का महत्वपूर्ण वक्तुव्यं है। यदि सीरिया में स्थिति बिगड़ जाती है और रूस के राष्ट्रीय हित में बाधा पड़ती है, तो क्रेमलिन संघर्ष ग्रस्तर देश में पुन: हस्तक्षेप करने का आदेश पुन: जारी करने में समय बर्बाद नहीं करेगा।

17 मार्च को पुतिन ने कहा कि मास्को आवश्यकता पड़ने पर अपनी सैन्य टुकड़ी "कुछ ही घंटों के भीतर" देश में वापस ला सकता है।[48] 30 मार्च को, रूसी युद्धक अभियंता आईएस के कब्जे से मुक्त कराए गए सीरिया के प्राचीन शहर पल्मायरा में माइन-हटाने के मिशन पर सीरिया पहुँचे। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सैपर इकाइयों को 2,000 वर्ष पुराने पुरातात्विक स्थल पर माइन डिफ्यूज करने के लिए अत्याधुनिक रोबोट उपकरणों सहित उपकरणों के साथ वायुयान से सीरिया पहुँचाया गया है।[49] सैपर ने पल्मायरा की सड़कों को माइनों से मुक्त कराया। उन्होंने काम चलाऊ विस्फोटक उपकरणों का पता लगाया और उन्हेंहडिफ्यूज किया, जिन्हें सड़क के किनारे , चौराहों पर, सड़क के किनारे निर्माणों और जीवन निर्वाह की वस्तुओं (विद्युत सबस्टेशन, बेकरी, अस्पताल) में लगाया गया था। विशेषज्ञों ने विस्फोटक युक्तियों से भरी पानी की पाइपों के कुछ भाग के साथ-साथ काम चलाऊ उच्च-विस्फोटक और इलेक्ट्रिक डेटोनेटर के साथ एंटी-टैंक माइनों का भी पता लगाया। कुल मिलाकर, रूसी इंजीनियरों ने 120 से अधिक विस्फोटक उपकरणों का पता लगाया और उन्हें डिफ्यूज किया और 1.1 कि.मी. सड़क को माइनों से मुक्तस्कराया।

29 मार्च को रूसी संघ और विदेशी राज्यों के सैन्य- तकनीकी सहयोग आयोग के साथ बैठक के दौरान पल्मायरा पर पुतिन ने कहा कि इस क्षेत्र में हस्तक्षेप पूरी तरह से प्रकृति में मानवीय था।

उन्होंने कहा कि यूनेस्को के महानिदेशक और फिर असद के साथ टेलीफोन पर हुई बातचीत में , यह सहमति बनी कि रूस पल्मायरा को माइनों से मुक्त कराने में सहायता करेगा और इस स्थान का ऐतिहासिक महत्व पुनर्स्थापित करेगा।[51] पल्मायरा की मुक्ति ने आंशिक वापसी के बाद सीरिया में फिर से तैनात की गई रूस की छोटी टुकड़ी की क्षमता और साथ ही सैपर्स या माइन विशेषज्ञों जैसे बलों को फिर से तैनात करने की क्षमता को भी प्रदर्शित किया। रूस का नवीनतम हस्तक्षेप अलेप्पो शहर में हुआ है।

निष्कर्ष

आंशिक वापसी हुई; एक कारण सितंबर में ड्यूमा का आगामी चुनाव हो सकता है क्योंकि रूसी लोग प्रतिबंधों और कमजोर अर्थव्यवस्था से जूझ रहे हैं। स्व तंत्र लेवाडा सेंटर के मतदान सर्वेक्षक द्वारा किए गए मतदान सर्वेक्षण ने संकेत दिया कि अधिकांश रूसी लोगों, 81 प्रतिशत, ने सीरिया से रूसी सैनिकों की आंशिक वापसी का समर्थन किया।[52] लोगों ने सीरिया में हस्तक्षेप पर जिस पर प्रति दिन $4 मिलियन डॉलर का खर्च आ रहा है, रूसी सरकार के प्रति कोई एतराज नहीं दिखाया[53] लेकिन यह प्रतिक्रिया रही होगी। मिस्र की सीमाओं के निकट अक्टूबर 2015 में रूसी एयरलाइन की दुर्घटना ने क्रेमलिन की राष्ट्रवाद और आईएसआईएस जैसे इस्लामिक कट्टरपंथियों के खिलाफ लड़कर रूस की रक्षा करने के नाम पर नागरिकों से समर्थन जुटाने में सहायता की। हालांकि, रूस के वित्त मंत्री एंटोन सिलुआनोव ने कहा कि रूस की आर्थिक समस्याएँ गंभीर हैं और तेल की कम कीमतों के कारण चारों ओर से छेदेंगी।[54]

पुतिन की लोकप्रियता 82 प्रतिशत है, जिसमें 2014 में क्रीमिया के विलय के बाद से 8 अंकों की गिरावट आई है।[55] बढ़ती बेरोजगारी और गरीबी की वापसी का पुतिन के निर्णय पर प्रभाव पड़ा होगा। हालांकि, रूस कुछ लक्ष्यों को प्राप्त करने में स फल रहा, जैसे कि वैश्विक शक्ति के रूप में केंद्रीय मंच पर वापसी और बाहरी शक्तियों, विशेष रूप से पश्चिमी शक्ति यों द्वारा शासन परिवर्तन (सैद्धांतिक रूप से) रोकना।[56] साथ ही वह सक्रिय रूप से सीरियाई शासन पर अंतर्राष्ट्रीय दबाव बढ़ाने के अधिकांश प्रयासों का प्रतिरोध करने में भी सफल रहा। दूसरे शब्दों में, सीरिया में संघर्ष मुख्य रूप से विश्व व्यवस्था और उसमें रूस की स्थिति को लेकर था।[57] रूस दुनिया को अपनी सैन्य क्षमता दिखाते हुए सीरिया में अपनी अत्याधुनिक हथियार प्रणालियों का प्रदर्शन करने में सफल रहा।[58]

सीरियाई युद्ध के दौरान प्रयुक्तर रूसी रक्षा उपकरण भी दुनिया को इसकी क्षमताओं का प्रदर्शन हैं, जिससे संभावित खरीदार उनकी ओर आकर्षित हुए।[59] अल्जीरिया, चीन, इंडोनेशिया, ईरान, वियतनाम और पाकिस्तान जैसे देशों ने हथियारों के निर्यात के लिए रूस के साथ अनुबंध पर

हस्ताक्षर किए। आदेशों में लोकप्रिय सुखोई-35 और 35एस लड़ाकू विमान, सुखोई-32 बमवर्षक और नए एमआई-28एन नाइट हंटर हमलावर हेलिकॉप्टर शामिल हैं, जिन्होंने सीरिया में अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन किया है। 29 मार्च को रूसी संघ और विदेशी राज्यों के सैन्य-तकनीकी सहयोग आयोग के साथ बैठक के दौरान पुतिन ने कहा कि अफ्रीका, लैटिन अमेरिका, दक्षिण एशिया और पश्चिम एशिया में नए बाजार विकसित किए जा रहे हैं। रूस की सैन्य क्षमता ने नाटो को अवश्यकसंकेत भेजा होगा। सीरियाई समझौते ने अपने बलों को प्रशिक्षित करने के लिए लागत प्रभावी प्रशिक्षण मैदान के रूप में भी रूस की सहायता की।

सीरिया में और यूक्रेन में भी रूस की सैन्य संलिप्तता ने दिखाया कि 21वीं सदी में सॉफ्ट पावर के लिए दबाव के बावजूद भी हार्ड पावर मायने रखती है। साथ ही इसने सीरिया में एक साथ कई खिलाड़ियों, आंतरिक और बाहरी दोनों , को संभालने की रूस की क्षमता का भी प्रदर्शन किया , जैसे कि सीरिया के विद्रोही समूह , आतंकवादी समूह और तुर्की जैसी बाहरी शक्तियाँ। अंकारा और पश्चिम एशिया के अन्य देशों को अमेरिका और यूरोप का समर्थन प्राप्त है, लेकिन रूस को किसी का नहीं। हालाँकि, मॉस्को को अपनी हार्ड पावर दिखाने में सावधानी बरतने की ज़रूरत है क्योंकि वह अपने आरक्षित भंडार में सेंध लगा रहा है। रूस के पास एक स्थिरीकरण निधि है, जिसे 2004 में स्थापित किया गया था। 1 फरवरी 2008 से, स्थिरीकरण निधि को आरक्षित निधि और राष्ट्रीय कल्याण निधि में विभाजित किया गया था। वर्तमान में, रूस दोनों निधियों का उपयोग कर रहा है। 1 अप्रैल 2016 को राष्ट्र कल्याण निधि लगभग 74 बिलियन डॉलर की थी।[64] अर्थव्यवस्था कमजोर है और लोगों को उच्च मुद्रास्फीति दर, बेरोजगारी और गरीबी के साथ कठिन समय से गुजरना पड़ रहा है। रूस में विपक्षी दलों को लोगों के बीच समर्थन जुटाने और आंदोलन खंड़ा करने में अधिक समय नहीं लगेगा। यह पुतिन शासन के लिए अच्छान्नहीं होगा।

आतंकवाद और संगठित अपराध का मुकाबला करने और सामाजिक व्यवस्था बनाए रखने के प्रभार वाली नई अर्धसैनिक इकाई - नेशनल गार्ड के गठन पर 6 अप्रैल की पुतिन की घोषणा देश के सकारात्मक विकास की दिशा में स्वस्थ कदम नहीं हो सकती है। इसका क्रेमलिन पर प्रतिप्रभाव पड़ सकता है, जिससे चरमपंथी समूहों के लिए स्थिति का लाभ उठने का रास्ता खुल सकता है। जिस प्रकार से सीरियाई युद्ध मैदान में रूसी सशस्त्र बलों का प्रशिक्षण हुआ है, उसी प्रकार उसी युद्ध मैदान में विषम युद्ध में चरमपंथी समूहों का भी प्रशिक्षण हुआ है।

सीरियाई पक्ष पर, पीवायडी को शामिल न किया जाना और रूस द्वारा हवाई हमले जारी रखना और आईएसआईएस के विरूद्ध मास्को और अमेरिका के बीच समन्वित सैन्य हमलों की

योजना शांति वार्ता ओं के परिणाम पर अनुकूल तस्वीर न हीं देती है। हालांकि, रूस और अमेरिका सफल युद्ध विराम के लिए आगे बढ़ रहे हैं।

सीरिया में कम से कम आंशिक रूप से युद्धविराम की बहाली का मार्ग खोजने की दिशा में 2 मई को अमेरिकी विदेश मंत्री जॉन केरी ने सऊदी अरब के विदेश मंत्री , अदेल अल-जुबैर और सीरिया के लिए संयुक्त राष्ट्र के दूत, स्टाफन डी मिस्तुरा से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि अमेरिका और रूस में सहमति बनी है कि यह सुनिश्चित करने के लिए समर्पित अतिरिक्त जवान होंगे कि दिन प्रति दिन आधार पर शत्रुताओं का निवारण प्रवर्तित करने के लिए अधिक जवाबदेही और क्षमता हो। अमेरिका और रूसी सेना , खुफिया और राजनयिक कर्मियों को शामिल करने के लिए संयुक्त अमेरिकी-रूसी सीरिया युद्धविराम निगरानी अभियान पर काम किया जा रहा है। इस निगरानी अभियान का कार्यालय जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र द्वारा उपलब्ध कराए गए कार्यालय में स्थित है।

रूस के लिए , जिनेवा में कार्यालय वाला अमेरिका के साथ संयुक्त निगरानी अभियान महत्वपूर्ण है क्योंकि यह पश्चिम द्वारा समान रूप से व्यवहार किए जाने की उसकी विदेश नीति के उद्देश्य की उपलब्धि है। यह रूस के लिए , विशेष रूप से अलगाव के बाद , एक महत्वपूर्ण जीत है जिसका उसे यूक्रेन में अपनी संलिप्तता के कारण पश्चिम से सामना करना पड़ा था।

रूस की रणनीतिक महत्वाकांक्षाओं को देखते हुए , सीरिया में उसकी भागीदारी जारी रहेगी। वह सीरिया में संतुलित परिणाम देने के लिए अपने स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेगा। यदि असद को सत्ता गंवानी पड़ती है, तो क्रेमलिन सत्ता धारी विपक्षी पार्टी के साथ बातचीत करेगी। यह वैसा ही परिदृश्य हो सकता है जैसा रूस और मिस्र के बीच हुआ था जब मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी सत्ता में आए थे। यदि मिस्र की सीमाओं पर रूसी विमान दुर्घटनाग्रस्त नहीं हुआ होता, जिसने दोनों देशों के बीच उत्साह को वापस खींच लिया था, तो रूस और मि स्र ने रिश्ते को आगे और मजबूत किया होता जिसका प्रभाव सीरिया में भी महसूस किया गया होता।

इस बीच, टार्टस और खमीमिम अड्डे रूस को इस क्षेत्र तक पहुँच प्रदान करना जारी रखेंगे। अपनी अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए , वह हथियारों का निर्यात अनुकूलित करने का प्रयास करेगा, क्योंकि आने वाले समय में ऊर्जा क्षेत्र से अंतर्वाह कम रहेगा। वह अतिवादी समूहों को सीरिया पर कब्ज़ा करने से रोकने का भी पूरा प्रयास करेगा। मास्को आईएस और अपने देश में उठ खड़े हुए आतंकवादी समूहों से अपने देश और साथ ही अपने पड़ोसी देशों को प्रभावित होने से बचाने के लिए अपनी रणनीतियों का उपयोग करेगा।

***

* *डॉ. इंद्राणी तालुकदार, इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्डअफेयर्स, नई दिल्ली में रिसर्च फेलो हैं। व्यक्त किए गए विचार शोधकर्ता के हैं, न कि परिषद के हैं।*

अंत टिप्पण:

---

[1]Jonathan Steele, "Putin's high-stakes gambit in Syria has paid off – for Moscow," *The Guardian*, March 15, 2016. http://www.theguardian.com/commentisfree/2016/mar/15/putin-syria-moscow-withdrawal-russian-forces-middle-east (Accessed on March 28, 2016).

[2] "Telephone conversation with President of Syria Bashar al-Assad," *President of Russia*, March 14, 2016. http://en.kremlin.ru/events/president/news/51512 (Accessed on March 31, 2016).

[3] Henry Meyer and Glen Carey, "Russia Rejects U.S.-Europe Plan to Enforce Syria UN Measure," *Bloomberg*, September 22, 2013. http://www.bloomberg.com/news/2013-09-22/russia-rejects-u-s-europe-plan-to-enforce-syrian-un-resolution.html (Accessed on September 24, 2013).

[4] Howard Amos, "Billions of Dollars of Russian Business Suffers along with Syria," *The Moscow Times*, September 2, 2011. http://www.themoscowtimes.com/business/article/billions-of-dollars-of-russian-business-suffers-along-with-syria/443078.html (Accessed on April 5, 2016).

[5]"Damascus wants Russia to develop Syrian oil," *RT*, November 26, 2015. https://www.rt.com/business/323568-syria-russia-oil-deposit/ (Accessed on April 6, 2016).

[6] Pieter D. Wezeman, "Arms transfers to Syria," *SIPRI Yearbook*, 2013, pg.269.http://www.sipri.org/yearbook/2013/files/sipri-yearbook-2013-chapter-5-section-3 (Accessed on April 5, 2016).

[7]"International arms transfers and arms production", *SIPRI Yearbook*, 2015. http://www.sipri.org/yearbook/2015/10 (Accessed on May 14, 2016).

[8] Russia understands that if Syria comes under the Syrian opposition parties supported by the West, Saudi Arabia and Turkey or the armed groups, then Moscow might lose the bases it has in Syria.

[9] Abdul Ruff, "Russia's Interests in Syria – Op Ed," *Eurasia Review*, January 6, 2016. http://www.eurasiareview.com/06012016-russias-interests-in-syria-oped/ (Accessed on April 6, 2016).

[10] "The meeting of the Military-Technical Cooperation Commission between Russia and foreign states," *President of the Russian Federation*, op.cit. and Aude Fleurant, Sam Perlo-Freeman, Pieter D. Wezeman and Siemon T. Wezeman, "Trends in International Arms Transfers, 2015." *SIPRI Fact Sheet*, February 2016. http://books.sipri.org/files/FS/SIPRIFS1602.pdf (Accessed on April 5, 2016).

[11] Interview by Inna Novikova, "Russia sends clear message to NATO," *Pravada.ru*, January 22, 2016. http://www.pravdareport.com/russia/politics/22-01-2016/133141-russia_nato_message-0/ (Accessed on April 4, 2016).

[12] Fred Kaplan, "Desperate in Damascus," *Slate*, September 22, 2015. http://www.slate.com/articles/news_and_politics/war_stories/2015/09/vladimir_putin_sending_russian_troops_to_syria_russia_is_intervening_out.html (Accessed on March 28, 2016).

[13] Ruff, "Russia's Interests in Syria – Op Ed," *Eurasia Review*, op.cit.

[14] Nafeez Ahmad, "The US-Russia gas pipeline war in Syria could destabilise Putin," *Middle East Eye*, October 30, 2015. http://www.middleeasteye.net/columns/us-russia-gas-pipeline-war-syria-could-destabilise-putin-103505758 (Accessed on April 6, 2016).

[15] James Stafford, "Syria Signs First-Ever Offshore Oil Deal, with Russia," *Oil Price*, December 23, 2013. http://oilprice.com/Energy/Energy-General/Syria-Signs-First-Ever-Offshore-Oil-Deal-with-Russia.html (Accessed on April 5, 2016).

[16] Nabi Bulos, "Russian firm signs 25-year energy deal with Syria," *Los Angeles Times*, December 26, 2013. http://articles.latimes.com/2013/dec/26/world/la-fg-wn-russia-energy-oil-gas-syria-20131226 (Accessed on April 6, 2016).

[17] Borzou Daragahi and Henry Froy, "Russia tightens links to Bashar al-Assad with Syria energy deal," *Financial Times*, December 26, 2015. http://www.ft.com/intl/cms/s/0/9e8040e0-6e3f-11e3-8dff-00144feabdc0.html#axzz3uYs2VBO9 (Accessed on April 5, 2016).

[18] "Assad Preparing to Handover Syria's Energy Sector to Russia," *Al Araby,* February 15, 2016. https://www.alaraby.co.uk/english/indepth/2016/2/15/Assad-preparing-to-handover-Syrias-energy-sector-to-Russia (Accessed on April 6, 2016).

[19] "Damascus wants Russia to develop Syrian oil," *RT*, op.cit.

[20] "Russia loses $4 billion in Libya because of Gaddafi," *Pravada.ru*, February 2, 2012. http://www.pravdareport.com/russia/economics/02-02-2012/120401-russia_libya_gaddafi-0/ (Accessed on April 6, 2016).

[21] Evlalia Samedova and Olga Sosnytska, "Russian business interests are casualty of Libyan conflict," *DW*, August 31, 2011. http://www.dw.com/en/russian-business-interests-are-casualty-of-libyan-conflict/a-15354349 (Accessed on April 6, 2016).

[22] Salaam Al-Saadi, "Russia's Long-Term Aims in Syria," *Carnegie*, October 5, 2015. http://carnegieendowment.org/sada/?fa=61521 (Accessed on April 6, 2016).

[23] Yezid Sayigh, "The War over Syria's gas Fields," *Carnegie*, June 8, 2015. http://carnegieendowment.org/syriaincrisis/?fa=60316 (Accessed on April 7, 2016).

[24]"Islamic State says seizes second gas field in Syria", *Reuters*, November 3, 2014. http://in.reuters.com/article/mideast-crisis-homs-idINKBN0IN0ET20141103 (Accessed on May 16, 2016).

[25]Nick Cunningham, "Why Syrian War is not Pushing up Oil Prices", *The Fuse*, October 7, 2015. http://energyfuse.org/why-the-syrian-war-is-not-pushing-up-oil-prices/ (Accessed on May 16, 2016).

[26] Mitchell A. Orenstein and George Romer, "Putin's Gas Attack," *Foreign Affairs*, October 14, 2015. https://www.foreignaffairs.com/articles/syria/2015-10-14/putins-gas-attack (Accessed on April 6, 2016).

[27] Robert Berke, "The Rationale behind Russia's Withdrawal from Syria," *Oilprice.com*, March 16, 2016. http://oilprice.com/Energy/Energy-General/The-Rationale-Behind-Russias-Withdrawal-From-Syria.html (Accessed on April 6, 2016).

[28] "Kennedy to Sputnik: 'Pipeline War' is at the Roots of Syrian Crisis," *Sputnik*, March 4, 2016. http://sputniknews.com/middleeast/20160304/1035777990/kennedy-interview-syria-pipeline.html (Accessed on April 6, 2016).

[29] Roland Oliphant and Louisa Loveluck, "Vladimir Putin confirms Russian military involvement in Syria's civil war," *The Telegraph*, September 4, 2015. http://www.telegraph.co.uk/news/worldnews/europe/russia/11845635/Vladimir-Putin-confirms-Russian-military-involvement-in-Syrias-civil-war.html (Accessed on April 6, 2016).

[30] Michael R. Gordon, "Russia Surprises U.S. with Accord on Battling ISIS," *The New York Times*, September 27, 2015. http://www.nytimes.com/2015/09/28/world/middleeast/iraq-agrees-to-share-intelligence-on-isis-with-russia-syria-and-iran.html?_r=0 (Accessed on April 6, 2016).

[31] "Putin orders start of Russian military withdrawal from Syria, says 'objectives achieved'," *op.cit*.

[32] Nikolas K. Gvosdev, "5 Ways to View Putin's Syrian Surprise," *The National Interest*, March 15, 2016. http://nationalinterest.org/feature/5-ways-view-putins-syrian-surprise-15499 (Accessed on March 28, 2016).

[33] Jonathan Steele, "Putin's high-stakes gambit in Syria has paid off – for Moscow," *The Guardian*, March 15, 2016. http://www.theguardian.com/commentisfree/2016/mar/15/putin-syria-moscow-withdrawal-russian-forces-middle-east (Accessed on March 28, 2016).

[34] "Meeting with Sergei Lavrov and Sergei Shoigu," *President of Russia*, March 14, 2016. http://en.kremlin.ru/events/president/news/51511 (Accessed on March 28, 2016).

[35] David Axe, "Russia's Secret Weapon of the ISIS War," *The Daily Beast*, March 30, 2016. http://www.thedailybeast.com/articles/2016/03/30/russia-s-secret-weapon-of-the-isis-war.html (Accessed on April 6, 2016).

[36] The Ka-52s attack choppers are to protect the Russian Task Force deployed in the Khmeimim airbase as well as to conduct CSAR (Combat Search and Rescue) missions. The first Ka-52 deployment will also be an opportunity for the Russians to test new technologies, such as the KRET Vitebsk EW (Electronic Warfare System). The Vitebsk can protect the helicopters from anti-aircraft threats within the range of several hundred kilometres, determining who is aiming at the aircraft, and once a missile is fired by a MANPADS (Man Portable Air Defence System), forcing it away from the designated target. David Cenciotti, "The 'Hokum-B' Combat Helicopters will be used by the Russian Contingent at Hmeymim Airbase," *The Aviationist*, January 15, 2016. http://theaviationist.com/2016/01/15/russia-to-deploy-ka-52-attack-helicopters-to-syria-to-protect-latakia-air-base/ (Accessed on March 5, 2016). It also has the capability to run on a single engine if the other engine gets damaged. James Miller, "Putin's Attack Helicopters and Mercenaries are Winning the War for Assad," *Foreign Policy*, March 30, 2016. http://foreignpolicy.com/2016/03/30/putins-attack-helicopters-and-mercenaries-are-winning-the-war-for-assad/ (Accessed on April 6, 2016).

[37] "Air-force business," *Kommersant.ru*, March 28, 2016. http://www.kommersant.ru/doc/2932551 (Accessed on April 5, 2016).

[38] David Axe and Patrick Hilsman, "Russia is Flying Israeli Drones against Anti-Assad Rebels in Syria," *The Daily Beast*, March 24, 2016. http://www.thedailybeast.com/articles/2016/03/24/russia-is-flying-israeli-drones-against-anti-assad-rebels-in-syria.html (Accessed on April 5, 2016).

[39] "Meeting with Sergei Lavrov and Sergei Shoigu," *President of Russia*, op.cit.

[40] During the Geneva Communiqué in June 2012, it was decided that a transitional governing body be established which can establish a neutral environment in which the transition can take place. It was decided that this group would include members of the present government and the opposition and other groups and shall be formed on the basis of mutual consent. It was also decided that the Syrian people would determine the future of Syria. All groups and segments of society in Syria must be enabled to participate in a National Dialogue process. Free and fair multi-party elections were encouraged to be held in future along with the drafting of a new Constitution with the

participation and consent of everybody. Women's participation was also to be encouraged. "Action Group for Syria," *Final Communiqué*, 30.06.2012, UNSC. http://www.un.org/News/dh/infocus/Syria/FinalCommuniqueActionGroupforSyria.pdf (Accessed on March 30, 2016).

[41] Meeting with Sergei Lavrov and Sergei Shoigu," *President of Russia*, op.cit.

[42]Nicola Slawson, "Syrian ceasefire with Russian backing key to peace talks, say European leaders", *The Guardian*, March 5, 2016. http://www.theguardian.com/world/2016/mar/05/syrian-ceasefire-russia-peace-talks-european-leaders (Accessed on May 6, 2016).

[43]"UN envoy appeals to US, Russia to help Syria peace talks", *The Telegraph*, April 28, 2016. http://www.telegraph.co.uk/news/2016/04/28/un-envoy-appeals-to-us-russia-to-help-syria-peace-talks/ (Accessed on May 6, 2016).

[44] "UN invites warring parties to Syria talks," *Al Jazeera*, January 26, 2016. http://www.aljazeera.com/news/2016/01/syria-talks-160126154340219.html (Accessed on March 31, 2016). However, PYD was not invited by the UN to the talks while the Kurdish National Council (KNC) was. The issue is that the People's Protection Units (YPG) affiliated to the PYD proved to be an effective force against the ISIS. "Major Syrian Kurdish faction not invited to Geneva talks," *Ara News*, March 14, 2016. http://aranews.net/2016/03/major-syrian-kurdish-faction-not-invited-geneva-talks/ (Accessed on March 31, 2016). It is assumed that PYD is not invited because of its affiliation with Turkey's Kurdistan Workers Party (PKK). Both PYD and YPG are not included in the talks. Russia is not happy with the exclusion of the PYD group because in the Geneva Communiqué of June 2012, it was decided that all parties were to be involved in the talk.

[45] Kimberly Martin and Rajan Menon, "Putin's Mission Accomplished?" *Foreign Affairs*, March 15, 2016. https://www.foreignaffairs.com/articles/syria/2016-03-15/putins-mission-accomplished (Accessed on March 29, 2016).

[46] Shaun Walker, "Russia's exit from Syria a move military analysts never saw coming," The Guardian, March 14, 2016. http://www.theguardian.com/world/2016/mar/14/russia-exit-syria-vladimir-putin-military-tactical-move (Accessed on March 28, 2016).

[47] "Fragile truce takes hold in Syria's battered Aleppo," *Times of India*, May 5, 2016. http://timesofindia.indiatimes.com/world/middle-east/Fragile-truce-takes-hold-in-Syrias-battered-Aleppo/articleshow/52131615.cms (Accessed on May 6, 2016).

[48] "Russian forces could make Syria comeback 'if necessary'," *Al Jazeera*, March 17, 2016. http://www.aljazeera.com/news/2016/03/syria-war-russia-forces-withdraw-days-160317063757697.html (Accessed on April 4, 2016).

[49] "Russian forces clear mines in Syria's Palmyra," *Al Jazeera*, April 1, 2016. http://www.aljazeera.com/news/2016/03/russian-forces-clear-mines-syria-palmyra-160331145042460.html (Accessed on April 4, 2016).

[50] "Russian engineers started clearing roads to historical part of Palmyra," Ministry of Defence of the Russian Federation, April 4, 2016. http://eng.syria.mil.ru/en/index/syria/news/more.htm?id=12082183@egNews (Accessed on April 5, 2016).

[51] "The meeting of the Military-Technical Cooperation Commission between Russia and foreign states," *President of the Russian Federation*, March 29, 2016. http://kremlin.ru/events/president/news/51593 (Accessed on April 5, 2016).

[52] "Majority of Russians Support Military Withdrawal from Syria – Poll," *The Moscow Times*, April 4, 2016. http://www.themoscowtimes.com/news/article/majority-of-russians-support-military-withdrawal-from-syria---poll/564680.html (Accessed on April 5, 2016).

[53] Peter Hobson, "Calculating the Cost of Russia's War in Syria," *The Moscow Times*, October 20, 2015. http://www.themoscowtimes.com/business/article/calculating-the-cost-of-russias-war-in-syria/540015.html (Accessed on April 5, 2016).

[54] Sergey Aleksashenko, "Russia's Government doesn't See the Economic Downslide as a Threat," *Institute of Modern Russia*, March 3, 2016. http://imrussia.org/en/analysis/economy/2522-russia%E2%80%99s-government-doesn%E2%80%99t-see-the-economic-downslide-as-a-threat (Accessed on March 18, 2016).

[55] Fiona Clark, "Economic pain bites into Putin's popularity," *DW*, February 1, 2016. http://www.dw.com/en/economic-pain-bites-into-putins-popularity/a-19015842 (Accessed on May 6, 2016).

[56] Vladimir Isachenkov, "Putin Orders Start of Syria Withdrawal, Saying Goals are Achieved," *The New York Times*, March 15, 2016. http://www.nytimes.com/2016/03/15/qorld/middeleeast/putin-syria-withdrawal.html. (Accessed on March 31, 2016).

[57] Azuolas Bagdonas, "Russia's Interests in the Syrian Conflict: Power, Prestige, and Profit," *EJEPS*, pg.56-57.

[58] Dmitry Adamsky, "Putin's Game in Syria," *Foreign Affairs*, April 3, 2016. https://www.foreignaffairs.com/articles/syria/2016-04-03/putins-game-syria (Accessed on April 5, 2016).

[59] Christopher Miller, "Russia showcases military might in Syria for political and commercial gain," *Mashable*, December 10, 2015. http://mashable.com/2015/12/09/russia-syria-military/#ltoDxiPUMaqk (Accessed on April 5, 2016).

[60] Christopher Miller, "Booming business: Russia's Syria operation nets arms dealers billions," *Mashable*, March 30, 2016. http://mashable.com/2016/03/29/booming-business-for-russian-arms-dealers/#df4jePi_2qqR (Accessed on April 5, 2016).

[61] "The meeting of the Military-Technical Cooperation Commission between Russia and foreign states," *President of the Russian Federation*, op.cit.

[62] Adamsky, "Putin's Game in Syria," *Foreign Affairs*, op. cit.

[63] The fund is the main policy instrument for the Russian government in terms of oil revenue management and limiting the pressures from the positive balance of payment. The fund has two main purposes. The first is to balance federal budgets in case of falling oil prices. The second is to sterilize revenue inflows and soak up excess liquidity in order to make the Russian economy and the Federal budget less vulnerable to variations in hydrocarbon prices. From the onset, the Fund has accumulated revenues from export duties on oil and from the mineral extraction tax when oil price is above a cut-off price. Morten Anker and Per Sonnerby, "Russian revenue management under Vladimir Putin," *Working Paper* (RUSSCASP), Fridtjof Nansen Institute, 2008. http://www.fni.no/russcasp/wp-2008-007_man_russian_revenue_management_under_vladimir_putin.pdf (Accessed on May 6, 2016).

[64] "Amount of National Welfare Fund," *Ministry of Finance of the Russian Federation*, April 1, 2016. http://old.minfin.ru/en/nationalwealthfund/statistics/amount/ (Accessed on May 6, 2016).

[65] "John Kerry says several proposals on table for partial Syria truce", *The Guardian*, May 2, 2016. http://www.theguardian.com/us-news/2016/may/02/john-kerry-meets-saudi-foreign-minister-in-syria-ceasefire-talks (Accessed on May 6, 2016).

[66] Laura Rozen, "US, Russia to jointly monitor Syria cease-fire", *Al Monitor*, May 3, 2016. http://www.al-monitor.com/pulse/originals/2016/05/us-russia-monitor-syria-ceasefire-geneva-kerry-mistura.html (Accessed on May 7, 2016).